

Regarding problems of workers in railway godowns

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): माननीय सभापति जी, देश में रेलों के सभी माल गोदामों में पीढ़ियों से लाखों श्रमिक काम कर रहे हैं। कोविड के दौरान जब देश में लॉकडाउन लगा था, उस समय भी इन श्रमिकों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 24 घंटे काम करके, खाद्यान्न जैसे गेहूं, चावल आदि की लोडिंग और अनलोडिंग करके लोगों के घरों तक पहुंचाया था। इनका आज तक ठेकेदारों द्वारा एक्सप्लैटेशन हो रहा है क्योंकि अब तक इनकी कोई मजदूरी तय नहीं की गई है। जिस तरह से फूड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया में डिपार्टमेंटल लेबर सिस्टम है, उसी तरह से मैं मांग करता हूँ कि उनके एसोसिएशन के लोगों से मिला जाए। पीढ़ियों से ये लोग काम कर रहे हैं। उनको 50 किलोग्राम की एक बोरी उठाने के लिए एक या दो रुपये मिलते हैं। इस काम को करने से उनकी कमर भी झुक जाती है और वे 500 रुपये भी कमा नहीं पाते हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि अब जब 4 कोड्स बन गए हैं तो इस तरह के अनस्किल्ड लेबर्स का पीस मील रेट तय किया जाए।